PD-106 CV-19

M.A. Hindi (First Semester)

Examination, Jan-2021

Paper-

Name/Title of Paper- Prachin Kavya [Maximum Marks : 80

Time : Three Hours] [Minimum Pass Marks : 29

नोट :दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड / Section-A

1. किन्ही दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 1x10=10

क. रहीम किस सम्राट के दरबारी कवि थे?

ख. अमीर खुसरो की एक पहेली लिखिए।

ग. कबीर ने मंगलाचार गाने की बात किससे कही?

घ. रसखान का पूरा नाम क्या था?

ङ. बारहमासा का वर्णन किस कवि ने अपनी कृति में किया है?

च. रैदास किस धारा के कवि थे?

छ. रसखान के काव्य का मुख्य छंद क्या है?

ज. विद्यापति ने अवहट्ट भाषा में किस कृति की रचना की है।

झ. विद्यापति के आश्रयदाता कौन थे?

ञ. "प्रेमवाटिका के रचनाकार का नाम लिखिए।

ट. मीरा की रचनाओं में किसकी प्रधानता थी।

ठ. "मसनवी" शैली का प्रयोग किस कवि ने किया है?

2. निम्नलिखित में से किन्ही पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये:– 2x5=10

क. रसखान का ब्रज प्रेम।

ख. अमीर खुसरो का हिन्दी साहित्य में योगदान।

ग. "नीति परक दोहे लिखने में रहीम को सर्वाधिक सफलता मिली है।" इस कथन की पुष्टि करें।

घ. रैदास की भक्ति भावना।

ङ. मीरा की भक्ति भावना को स्पष्ट कीजिए।

च. कबीर की उलट वासिया।

छ. सूफी काव्य धारा।

ज. संत काव्य धारा।

खण्ड / Section-B 7

3. सप्रसंग व्याख्या किजिए:–

क. देख देख राधा रूप अपार,।
अपरूब के बिहि आति मिला ओल, खितिलत लावनि सार।।
अंगहि अंग अनंग मुरछाएत, हेरए पडए अधीर,।
मनमथ कोटि मथन करूजे जन से हेर महि–मधि गीर।।
कत कत लखिमि चरन–तल ने ओछ, रंगिन हेरि बिओरि।
करू अमिलाख मनहि पद–पंकज, अहह निसि कोर अगोरि।

अथवा

कनकलता अरविन्दा, दमन माँझ उगलि जनि चन्दा।
केओ कह सैबल छपला, के ओ बोल नहि मेघ झपला।
केओ कह भमए भमरा, के ओ बोल नहि–नहि चरए चकोरा।
संसय परख सब देखी, के ओ बोलए ताहि जुगति बिसेखी।
भनई विद्यापति गावे, बड़ पुन गुनमति पुनमत पावे।।

ख. विद्यापति भक्त कवि है अथवा श्रृंगारी? तर्क सहित उत्तर दीजिए। 8

अथवा / OR

विद्यापति की कविताओं में प्रेम, अनन्यता, उदाहरण और समर्पण भाव की प्रधानता है। स्पष्ट कीजिए।

4. संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए:– 7

क. "मनलागा उनमनसों, उनमन मनहि विलग,
लूंण बिगला पाणियों, पाणी लूंध बिलगा।

गूंगा हुआ बाबला, बररू हुआ कान,
पाऊँ थैं पंगुलभया, सतगुरू मारया बान।

अथवा/OR

अम्बर कुंजा करलियाँ, गरजि भरे सब ताल,
जिनथैं गोविन्द बीछुरटे, तिनके कैण हवाल।
आकारने मुखि औन्धा कुआँ, पाताले पनिहार,
ताका पांणी को हंसा पीवै, बिरला आदि बिचारि।

ख. "कबीर अपने समय के प्रखर जागरूक एवं समाज संचेतक कवि थे"। सोदाहरण इस कथन की विवेचना कीजिए। 7

अथवा/OR

कबीर की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।

5. संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए– 8

क. "मा बैसाख तपनि अति लागी, चेआ चीर चंदन मा आगि।
सुरज जरत हिवंचलताका, जरत बजागिन करूपिउ! छाहाँ।
आई बुझाउ, अंगारनह माहाँ, तेहि दरसन होई सीतल जारी,
आई आगि तें, करू फुलवारी।"
लागिउँ जरै, जरै जस भारू फिरि–फिरि भूजेसि, तजेउँन बारू सखर हिया घटत निति जाई,
टुक–टुक होइ के बिहराई।

अथवा/OR

कुहुकि–कुहुकि जस कोइल रोई, रकत आँसु घुँघची बन बोई।
भई करमुखी नॉन तन राती, को सेरावा? बिरहा दुखी ताति।
जहँ– जहँ ठाढ़ि होई बन बासी, तहँ– तहँ घुँघची कै रासी।
बूंद–बूंद में जानहूँ जीऊ, गूँजा–गूँजि करै, पिउ–पीउ।
तेहि दुख भए परास निपाते, लोहू बूड़ि उठे होइ राते।
राते बिम्ब भीति तेहि लोहू, पखर पाक, फार हियगोहूँ देखौं जहाँ होइ सोइ राता, जहाँ सोरतन कहै को बाता।
नहि पावस ओहि देसरा, नहि हेमंत बसंत
ना कोकिला न पपीहरा, जेहि सुनि आवै कन्त।

ख. जायसी के काव्य सौनदर्य को उदघाटित कीजिए। 8

अथवा/OR

सूफी काव्य परंपरा में जायसी का स्थान निर्धारित कीजिए।

6. क.भक्तिकाल को स्वर्णयुग क्यों कहा गया? स्पष्ट करें। 7

अथवा/OR

"भक्तिकाल काव्य वास्तव में लोक जागरण का काव्य है।" स्पष्ट करें।

ख. "अमीर खुसरों की पहेलियाँ आज भी जनमानस की कंठहार हैं" सिद्ध कीजिए। 8

अथवा/OR

रहीम के कोई चार दोहे लिखे एवं उसका भावार्थ भी लिखे।